# भारत की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत एवं परम्पराओं के संरक्षण की योजना का प्रपत्र

1, प्रस्तावित योजना का कार्यक्षेत्र राज्य :- राजस्थान

2, योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा का नाम (क्षेत्रीय, स्थानिय, हिन्दी एवं अंग्रेजी में)

:- मांगणियार लोक संगीत विद्यालय

3. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा से सम्बन्धित समुदाय का भाषिक क्षेत्र और भाषा उपभाषा तथा बोली का विवरण।

:- बाड़मेर (राजस्थान) मारवाड़ी, हिन्दी भाषा

4. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा से स्पष्ट रूप से सम्बन्धित प्रतिनिधी ग्राम, समुदाय, समुह, परिवार एवं व्यक्ति का नाम एवं सम्पर्क (विवरण अलग से संलग्न करें)

:- मांगणियार समुदाय श्री रोजेखां मांगणियार 9413810549

विवरण :- आप पश्चिमी राजस्थान प्रान्त के बाड़मेर जिले से है। आप अन्तर्राष्ट्रीय लोक कलाकार है। वर्तमान में संस्था मे अध्यक्ष पद पर है मुख्य गायक भी है जो 50 सालो से राजस्थान की पारम्परिक लोक कला का अच्छा अनुभव है। आप हर वर्ष सेमीनार, वर्कशाप एवं समारोहो का आयोजन करते रहते हैं आपने अपनी संगीत की शिक्षा बाघर परिवार के स्व. हासम खां से ली जो पाकिस्तान के मशहुर गायक खैर मोहम्मद के सागिरद थे

5. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों की जीवन्तता का विस्तारित भोगोलिक क्षेत्र (ग्राम, प्रदेश, राज्य, देश, महादेश, आदि) जिनमे उनका अस्तित्व है / पहचान है।

:- पश्चिमी राजस्थान भारत।

योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा की पहचान एवं उसकी परिभाषा / उसका विवरण

1. मौखिक परम्पराएं एवं अभिव्यक्तियाँ (भाषा इनमे अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के एक वाहक के रूप मे है)
2. प्रदर्शनकारी कलाएं
3. सामाजिक रिती-रिवाज, प्रथाए चलन, परम्परा, संस्कार एवं उत्सव आदि
4. प्रकृति एवं जीव-जगत के बारे मे ज्ञान एवं परिपाटी व अनुशीलन प्रथाएं।
5. पारम्पारिक शिल्पकारिता
6. अन्यान्य
7. कृप्या योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा का एक रुचिपूर्ण सारगर्भित संक्षिप्त परिचय दें

:- मांगणियार लोक संगीत विद्यालय जिसमे पश्चिमी राजस्थान बाड़मेर-जैसलमेर, की लुप्त होती पारम्परिक लोक कला एवं सांस्कृतिक विरासत दिनो-दिन विलुप्त होने के कगार पर है। इस लोक संगीत को बरकरार रखने हेतु संस्था पृथक प्रयासो मे लगी है संस्था हर वर्ष प्रशिक्षण आयोजित करती रहती है। इस विद्यालय मे लुप्त होते पारम्परिक लोक गीत सुमराज, शब्द, दोहे, व पारम्परिक लोक वाद्य, कमायचा, खड़ताले, ढोलक का एवं लोक गीतो का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्था का प्रयास है कि ज्यादा से ज्यादा ग्रामीण क्षेत्र व धोरो मे बसे लोक कलाकारो को जोड़कर मंच प्रदान किया जाए व उनके बच्चो को प्रशिक्षण दिया जावे। इनको जोड़ के दोहे सुमरण सभी राग-रागिनियो का समावेश सिखाया जावे। साथ-भारतीय-शिक्षा का भी ज्ञान हो। जिससे बाल कलाकार प्रशिक्षण ले लिख पढ़ सके।

योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के अधिकारी व्यक्ति और अभ्यासी कौन है। क्या इन व्यक्तियों की कोई भूमिका है क्या कोई विशेष दायित्व है इस परम्परा और प्रथा के अभ्यासी एवं अगली पीढ़ी को संचरण के निमित्त? अगर है तो वो कौन है और उनका दायित्व क्या है?

:- योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के अधिकारी रोजे खां देख रहे हैं सिखाने के लिए तीन गुरु के रूप से सिखा रहे हैं रोजेखां, गायक, पपाखां ढोलक व जानुखां खड़ताल सिखाने का कार्य कर रहे हैं इनसे अभ्यासी के रूप से 15 बच्चे सीख रहे हैं जिनके निम्न प्रकार हैं

1. नुरेखां / महेन्द्र खां गायक
2. गुलाब खां / महेन्द्र खां गायक
3. मलेखां / महेन्द्र खां गायक
4. मस्तान खां / दीन मोहम्मद गायक
5. एलियासखां / दीन मोहम्मद गायक
6. देऊखां / वाहीखां - गायक, खड़ताल
7. उरेखां / फकीर खां गायक
   फकीर खां गायक
8. भावनखां / ईसाकखां खड़ताल गायक
9. कमलखां / सांयाखां खड़ताल गायक
10. लाखो खां / ईशाखां ~~सिव~~ गायक
11. मोतीखां /
12. मेहबूबखां / पप्पाखां गायक
13. भूगर खां / इशाकखां गायक
14. जानुखां / कुदरत खां गायक
15. नुरे खां / अनवर खां गायक

विशेष भूमिका गुरु :- इस योजना के अन्तर्गत गायक के रूप में रोजेखां आप अन्तर्राष्ट्रीय लोककलाकार [illegible]

आप लिम्का बुक में पंजीकृत है।

Dholak :- इस योजना के अन्तर्गत ढोलक के विष में पायाखां सीखा रहे हैं। बाड़मेर जिले के निवासी है जो अन्तर्राष्ट्रीय लोक कलाकार है। इनको ढोलक का 70 सालो से अच्छा अनुभव है। आपने कई महान लोक कलाकारो व शास्त्रीय घरानो के साथ संगत किया है।

खड़ताल :- इस योजना के खड़ताल सिखाने का कार्य जमुखां कर रहे है आपने अपनी शिक्षा स्व. उस्ताद अनवर खां से ली है। आपने कई जगहो पर अपनी कला का जादु बिखेर चुके है। आपको 15 सालो से खड़ताल का अच्छा अनुभव है।

इभ्यासी :- इस योजना मे 15 बच्चे सीख रहे है इसमे खास यह है कि इनमे कुछ बच्चो ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी कला की पहचान बनाई है। इस परम्परा और प्रथा के अभ्यास एव अगली पीढ़ी है जो 7 पीढ़ियो से चलती आ रही है।

9. ज्ञान और हुनर / कुशलता का वर्तमान मे संचालित तत्वों के साथ क्या अंतर सम्बद्ध है?

:- ज्ञान और हुनर / कुशलता का वर्तमान में संचालित तत्वों के साथ यही अन्तर सम्बद्ध है कि सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखना व संरक्षित करना।

10. आज वर्तमान में सम्बन्धित समुदाय के लिए इन तत्वो का (सामाजिक व सांस्कृतिक आयोजन क्या मायने रखता है?

:- आज वर्तमान मे सम्बन्धित समुदायो के लिए यही मायने रखता है कि यह राजस्थान की लोक कला ~~एक~~ है जो 7 पीढ़ियो से चलती आ रही है। इसमे कई कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन देश व विदेशो मे कई बार अपनी कला का प्रदर्शन कर अपनी आजीविका कर रहे है साथ ही हमारे देश की लोक कला को विदेशो तक हमारी कला एवं संस्कृति को परिचित करवाते है।

11. क्या योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों में ऐसा कुच्छ है जिसे प्रतिपादित अन्तरराष्ट्रीय मानव अधिकार के मानकों के प्रतिकूल माना जा सकता है या फिर जिसे समुदाय, समूह या फिर व्यक्ति के आपसी सम्मान को ठेस पंहुचती हो या फिर वे उनके स्थाई विकास को बाधित करते हो. क्या प्रस्तावित योजना के तावत या फिर सांस्कृतिक विरासत में ऐसा कुच्छ है जो देश के कानुन या फिर इनसे जुड़े समुदाय कि समन्वय को या दुसरों को क्षति पहुचाती हों? विवाद खड़ा करती हों?

:- कोई विवाद नहीं है। सामाजिक समरसता का प्रतिक हैं।

12. प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा की योजना क्या उससे सम्बंधित स्वाद के लिए पारदर्शिता, सजगता और प्रोत्साहन को सुनिश्चित करती हैं?

:- हाँ सजगता और प्रोत्साहन को सुनिश्चित करती हैं।

13. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए उठाने जाने वाले उपायों/कदमों/प्रयासों के बारे मे जानकारी मे जो उनको संरक्षित या संवर्धित कर सकते है
उल्लेखित उपाय/उपायों को पहचान कर चिन्हित करें जिसे वर्तमान में सम्बंधित समुदायों, समूहो, और व्यक्तियो द्वारा अपनाया जाता है।

1. औपचारिक एवं अपचारिक तरीके से प्रशिक्षण (संचरण)
2. पहचान, दस्तावेजीकरण एव शोध
3. रक्षण एवं संरक्षण
4. सर्वधन एवं बढ़ावा
5. पुनरुद्धार/पुनर्जीवन

14. स्थानीय राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत परम्परा के तत्वों के संरक्षण के लिए अधिकारियों ने क्या उपाय किए हैं?

:- स्थानिय, राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक विरासत को संरक्षण के लिए अधिकारी [illegible]

जैसे तहशील स्तर पर हर समय कार्यशालाएं आयोजित करना व समारोह समनार आयोजित होते रहते हैं जिससे हमारे देश की लोक कला संस्कृति को बढ़ावा मिलता है। राज्य स्तर पर राज. संगीत नाटक अकादमी कला एवं संस्कृति विभाग भी राजस्थान की लुप्त होती पारम्परिक लोक एवं राष्ट्रीय स्तर की कला को बरकरार रखने हेतु बेहद प्रयासों में हैं राष्ट्रीय स्तर की बात करें तो भारत की लोक कलाओं पर अच्छी नजर है न केवल राजस्थान पर हर राज्य की लोक कला को बचाए रखने के लिए अच्छी सहायता करते हैं

15. योजना के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों के व्यवहार, जीवन्तता और भविष्य को क्या खतरे हैं? वर्तमान परिदृश्य के उपलब्ध में साक्ष्यों और सम्बंधित कारणों का ब्यौरा दें।

:- हर योजना की बात करें तो सिर्फ यही खतरा है कि सिर्फ लुप्त होती लोक कला एवं संस्कृति को न बचाए रखना जिससे वो लुप्त होती जाती है यदि जो भविष्य में एक खतरे का कारण बन जाता है अगर कला एवं संस्कृति को बचाए रखे तो यह कला जीवित रखी जा सकती है इसके लिए खास कर छोटे-छोटे बच्चों को विलुप्त होते पुराने पारम्परिक लोक गीत, लोक वाद्य दोहे, भावार्थ इनको कण्ठस्थ याद करवाया जावे। हर वर्ष प्रशिक्षण, आयोजित कीए जाने चाहिए। जिससे हमारे देश की लोक कला खतरे से बच सकती है

16. संरक्षण के क्या उपाय अपनाने के सुझाव हैं? (इनमें उन उपायों की पहचान कर उनकी चर्चा करें जिनसे प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत परम्परा के तत्वों के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा मिल सके। ये उपाय ऐसे हों जिसे भविष्य की सांस्कृतिक नीति के साथ आत्मसात किया जा सके ताकि वे प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों का राज्य स्तर पर संरक्षण किया जा सके।)

इस योजना को बढ़ावा के लिए सबसे पहले ग्रामीण अंचलो मे निवास कर रहे बच्चो को चुना जावे। जो असमर्थ व गरीब परिवारो से हो। जो किसी हुनर मे हो। इस कला को बढ़ावा देने के लिए हर तहसील स्तर पर लोक संगीत विद्यालय की व्यवस्था हो। जिसमे ज्यादा से ज्यादा लंगा/मांगणियार के बच्चो को जोड़ा जाए। उसमे गरीब व असमर्थ बच्चो को भारतीय शिक्षा के साथ-साथ एक साथ एक भाग मे कम से कम 20 छात्र हो। बच्चो को गायकी मे खड़ताल, ढोलक, 3 भाग मे ढोलक 4 भाग मे कमायचा का प्रशिक्षण दिया जावे। उसमे 4 ~~बच्चो का~~ भाग मे प्रशिक्षण दिया जावे समय सर्दी मे 6 से 8 तक सुबह सांय 5 से 9 तक एक गर्मी मे थोड़ा देरी से हो। जो 9 से 3 तक छात्र भारतीय शिक्षा के लिए विद्यालय मे शिक्षा ग्रहण करेंगे। इन छात्रो की आयु सीमा 8 से 12 ~~वर्ष~~ साल के मध्य हो इस प्रशिक्षण मे 60 बच्चो को लिया जावे ज्यादा भी हो सकते है। इस योजना को 3 साल तक चलाया जावे जिसमे राजस्थान की पुरी पारम्परिक लोक संगीत का ज्ञान हो। इन छात्रो को हर महीने छात्रवृत्ति की भी व्यवस्था हो जिससे बच्चो को काफी, पेन, किताब, युनिफार्म व अन्य वस्तु की सुविधा हो सके। इन छात्रो ~~को~~ ने क्या सीखा है उनसे जांच के लिए परीक्षा के रूप मे संगीत विभागो से बच्चो की परीक्षा ली जावे इस योजना के अन्तर्गत एक सिफ्ट मे 20 से ज्यादा छात्र न हो। इसकी योजना के साथ मे हर मांगणियार छात्र को कमायचा वाद्य प्रदान किया जावे। जिससे एक अनोखा ~~वाद्य~~ वाद्य को सीख सके

17. सामुदायिक सहभागिता (प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत/परम्परा के तत्वों के संरक्षण की योजना में समुदाय, समूह, व्यक्ति की सहभागिता के बारे में लिखे)

:- समुदाय सहभागिता परम्परा के तत्वों के संरक्षण की योजना मे समुदाय, समूह, व्यक्ति की सहभागिता निम्न प्रकार है इस सांस्कृतिक विरासत के अन्तर्गत समाज का यह रोल है कि लंगा/मांगणियार जाति के बाल कलाकारो को संस्थाओ से प्रशिक्षण देकर लोक कला को बचाया जा

इस योजना के अन्तर्गत भी समय-समय पर होने वाले सांस्कृतिक समारोहों में भाग लेने मददगार हैं आदि में ऐसे महान लोग भी हैं ~~[illegible]~~ जिनसे समाज में सांस्कृतिक परम्परा को मदद करते हैं इनका यही एक ही उद्देश्य है राजस्थान पारम्परिक लोक कला को बढ़ावा मिले।

18. सम्बन्धित समुदाय के संगठनों या प्रतिनिधियों (प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत परम्परा के तत्वों से जुड़े हर समुदायिक संगठन या प्रतिनिधि या अन्य गैर सरकारी संस्था जैसे भी एसोसिएशन, ऑर्गेनाइजेशन, क्लब, गिल्ड, सलाहकार समिति, स्टीयरिंग समिति आदि।

1. संस्था / कम्पनी / हस्ती का नाम :- स्टार्स (Society for Traditional art and Culture)
2. सम्बन्धित / अधिकारी व्यक्ति का नाम, पद, सम्पर्क :- सचिव दीन मोहम्मद
3. पता :- कलाकारों का बास गली शिव जि. बाड़मेर राज.
4. फोन नम्बर - मोबाइल नं. 09636692445
5. अन्य सम्बन्धित जानकारी :- -

19. किसी मौजूदा इन्वेन्टरी, डेटाबेस या डायक्रिएशन सेन्टर (स्थानीय / राजकीय राष्ट्रीय) की जानकारी जिसका आपको पता हो या आप किसी कार्यालय, एजेन्सी, ऑर्गेनाइजेशन या व्यक्ति की जानकारी को इस तरह की सूची को सम्भाल कर रखता हो उसकी जानकारी दें।

:- इस सांस्कृतिक विरासत परम्परा के लिए कोमल कोठारी के वर्तमान के निम्न संस्था भी है

कुलदीप कोठारी (सचिव)

रूपायन संस्थान

पावटा B. रोड. जोधपुर राज. ~~94146~~ 9414136361

20. के प्रस्तावित सांस्कृतिक विरासत / परम्परा के तत्वों से सम्बन्धित प्रमुख प्रकाशित सन्दर्भ या दस्तावेज (किताब, लेख, ऑडियो विजुअल सामग्री लाइब्रेरी, म्यूजियम, प्राइवेट सदस्यों, संग्राहकों, कलाकारों आदि की सम्बन्धित व्यक्तियों के नाम पते तथा वेबसाइट आदि जो सम्बन्धित सांस्कृतिक / परम्परा के तत्वों के बारे में हो

1. दीन मोहम्मद
सचिव
[illegible]
मलाबार कालोनी शिव
जि. बाड़मेर राज.
9636692445
Rajasthanfolkmusic.com

2. मुहरे खां मांगणियार
अध्यक्ष
धरोहर संस्थान
V/P. तालो का गांव तह. शिव
जिला बाड़मेर राजस्थान

3. गफूर खां मांगणियार
अध्यक्ष
लोक लहर संस्थान
V/P. आकली तह. शिव
जि. बाड़मेर राज.

4. अनवर खां बईया
इन्द्रा नगर बाड़मेर राज.

5. डूगर खां [illegible]
V/P. तालो का गांव
तह. शिव बाड़मेर राज.

6. [illegible] खां मांगणियार
V/P. भीयाड़ तह. शिव
जि. बाड़मेर राज.

7. गाजी खां मांगणियार
V/P. हड़वा तह शिव
जिला बाड़मेर राज.

8. [illegible] खां
V/P. भीयाड़ तह. शिव
जि. बाड़मेर

9. [illegible] खां [illegible]
V/P. भीयाड़ तह. शिव
जि. बाड़मेर राज.

10. [illegible] खां मांगणियार
वार्ड नं. 31 इन्द्रा कॉलोनी
बाड़मेर राज.

हस्ताक्षर [illegible]

नाम व पदनाम [illegible] अध्यक्ष

संस्था का नाम
Chairman
Thar Lok Kala Sansthan
V/P-Bhinyad, Teh.-Sheo
Distt.Barmer (Raj.)

पता V/P. भीयाड़ तह. शिव जिला बाड़मेर राज.

दिनांक 2/1/2016